धर्मशास्त्रीय ज्योतिष

स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

2023-24

ज्योतिर्विज्ञान विभाग

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

देवासमार्ग , उज्जैन (म.प्र.) 456010

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, अन्तर्जालपुट - www.mpsvv.ac.in

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

ज्योतिष

स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

नियमावली

1. पाठ्यक्रम का उद्देश्य - व्रत एवं पर्वोत्सव भारतीय जीवन परम्परा के अभिन्न अङ्ग हैं। किन्तु सम्प्रदाय भेद, मुहूर्तशास्त्रीय नियम आदि के कारण इनके निर्णय में सामान्यजन भ्रमित हो जाता है। धर्मशास्त्र के सीमित ज्ञान के कारण अनेक ज्योतिषी भी व्रत-पर्वोत्सव निर्णय में दिग्भ्रमित हो जाते हैं। ऐसे सभी भ्रमों को दूर रखने के उद्देश्य से यह पाठ्यक्रम निर्मित किया गया है।

2. प्रवेश नियम- एक वर्ष के इस पाठ्यक्रम में प्रवेश की अर्हता मध्यप्रदेश शासन द्वारा मान्यता प्राप्त बारहवीं कक्षा (12वीं) या तत्समकक्ष परीक्षा है।

3. परीक्षा योजना-

इस पाठ्यक्रम में चार प्रश्नपत्र होंगे, जिनमें से दो प्रश्नपत्र सैद्धान्तिक तथा दो प्रायोगिक होंगे। परीक्षा का माध्यम हिंदी होगा। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रतिप्रश्नपत्र 35% अङ्क अपेक्षित हैं।

प्रश्नपत्र क्रमाङ्क	विषय कोड	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम क्रेडिट	प्रति सप्ताह अध्ययन घण्टे	अङ्क
प्रथम (सैद्धांतिक)		CC1	ज्योतिष, धर्मशास्त्र एवं सम्प्रदाय परिचय	3	3	100
द्वितीय (सैद्धांतिक)		CC2	व्रतोत्सव, सूतक, श्राद्धादि निर्णय	3		100
तृतीय		CC3	प्रायोगिक	1	1	100
चतुर्थ		CC4	प्रायोगिक	1		100
			योग	8	4	400

ELIGIBILITY FOR EXAMINATION:

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT

Latter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	90 - 100
A+	9	Excellent	80 - 89
A	8	Very Good	70 - 79
B+	7	Good	60 - 69
B	6	Above Average	50 - 59
C	5	Average	40 - 49
P	4	Pass	35 - 39
F	0	Fail	0 - 34
Ab	0	Absent	Absent

Division	Criterion
First Division with Distinction	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree in first attempt with CGPA of 8.00 or above.
First Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 6.50 or above.
Second Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 5.00 or above but less than 6.50 .
Pass Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 4.00 or above but less than 5.00

Equivalent Percentage- CGPAX10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA), Yearly Grade point average (YGPA), and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$SGPA/YGPA/CGPA = \frac{\Sigma \text{ (No. of credits * Grade Point)}}{\Sigma \text{ No. of Credits}}$$

SGPA/YGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

4. उपलब्ध स्थान -

उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान 10 निर्धारित हैं। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रत्येक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

5. शुल्क -

छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।

स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

धर्मशास्त्रीय ज्योतिष

प्रथम प्रश्न पत्र - ज्योतिष, धर्मशास्त्र एवं सम्प्रदाय परिचय

पूर्णांक 100

- धार्मिक परिप्रेक्ष्य में ज्योतिष एवं पञ्चाङ्ग परिचय का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
- ज्योतिष के मुहूर्त्त पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- विविध संस्कारों में ज्योतिषीय पक्ष का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

इकाई 1	1.1 ज्योतिष शास्त्र का परिचय, स्वरूप एवं क्षेत्र [ज्योतिष व्युत्पत्ति, परिभाषाएँ एवं भेद (सिद्धान्त, संहिता, होरा)] 1.2 पञ्चाङ्ग परिचय (तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण)	20
इकाई 2	2.1 शुभाशुभयोग निरुपण (मुहूर्त्त चिन्तामणि अध्याय 01) 2.2 मुहूर्त में नक्षत्रविचार (मुहूर्त्त चिन्तामणि अध्याय 02 से नक्षत्र स्वामी, ध्रुवादि संज्ञा, वस्त्र धारण, अन्धादि संज्ञा, लग्न शुद्धि, होमाहुति, अग्निवास, प्रेतदाह, मूलविचार, जलाशय तथा देवप्रतिष्ठा)	20
इकाई 3	3.1 धर्म की अवधारणा 3.2 वेद, पुराण एवं धर्मशास्त्र का परिचय 3.3 मनुस्मृति, याज्ञवल्क्य स्मृति, पराशर स्मृति आदि का सामान्य परिचय 3.4 स्त्रीधर्म, पञ्चमहायज्ञनिरुपण, पुरुषार्थ चतुष्टय का सामान्य परिचय	20
इकाई 4	4.1 संस्कार का परिचय तथा विविध भेद 4.2 षोडश संस्कारों का परिचय एवं माहात्म्य 4.3 गर्भाधानसंस्कार, पुंसवनसंस्कार, सीमन्तोन्नयनसंस्कार, जातकर्मसंस्कार, नामकरणसंस्कार आदि संस्कारों हेतु मुहूर्तविचार	20
इकाई 5	5.1 सम्प्रदाय का अर्थ एवं महत्त्व	20

	5.2 वैष्णव, शैव, शाक्त आदि प्राचीन सम्प्रदाय 5.3 रामानुजी, माध्व, पुष्टिमार्ग, निम्बार्क आदि सम्प्रदायों का सामान्य परिचय 5.4 सम्प्रदाय भेद से व्रत, पर्व एवम् उत्सव का आचरण (तिथि, वार, नक्षत्र भेद से)	

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. भारतीय ज्योतिष, नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ ।
2. जन्मपत्री रचना विज्ञान- महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, 2020
3. निर्णयसिन्धु- कमलाकर भट्ट, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014
4. मुहूर्तचिन्तामणि, श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
5. तिथि निर्णय के प्रमुख सिद्धांत एवं विशिष्ट तिथि पर्व निर्णय, डॉ. विकास शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
6. मुहूर्तशास्त्र- महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, 2020

अंक विभाजन -

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	2 × 5 = 10
2 लघूत्तरीयप्रश्न	6 × 5 = 30
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	12× 5 = 60

स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

धर्मशास्त्रीय ज्योतिष

द्वितीय प्रश्न पत्र - व्रतोत्सव, सूतक, श्राद्धादि निर्णय

पूर्णांक 100

- धार्मिक व्रत-पर्वों एवं कृत्यों के निर्धारण में तिथ्यादि की भूमिका को समझ सकेंगे।
- संक्रान्ति, ग्रहण तथा पर्वकालादि के ज्ञान से अवगत होंगे।
- शान्तिविधान एवं ग्रहों की पूजनविधि का ज्ञानार्जन कर सकेंगे।
- सूतक एवं श्राद्ध निर्णय के साथ-साथ विविध पापकर्मों के प्रायश्चित्त विधि से अवगत होंगे ।

इकाई 1	1.1 तिथि निर्णय के प्रमुख सिद्धांत एवं विशिष्ट तिथि पर्व निर्णय 1.2 संक्रान्ति विचार, पर्वकाल 1.3 ग्रहण विचार, ग्रहणवेध, स्नानादिविचार	20
इकाई 2	2.1 मासानुसार व्रत माहात्म्य 2.2 एकादशी 2.3 संकष्टी 2.4 प्रदोष 2.5 श्रावणादि मास माहात्म्यों का संक्षिप्त परिचय	20
इकाई 3	3.1 प्रमुख व्रतपर्व निर्णय नवरात्रि व्रत, रामनवमी, अक्षय तृतीया, गंगा दशहरा, वटसावित्री व्रत, रथयात्रा, देवशयन, नागपञ्चमी, रक्षाबन्धन, श्रीकृष्णजन्माष्टमी, हरितालिका, गणेशजन्मोत्सव, जीवित्पुत्रिका व्रत, महाष्टमी, महानवमी, विजयादशमी, शतचण्डीविधान, दीपावली पर्व, अन्नकूट गोवर्धन पूजा, यमद्वितीया, देवप्रबोधिन, कालाष्टमी, वसन्तपञ्चमी, महाशिवरात्रि, होलिका पर्व, सूर्यषष्ठी व्रत(डाला छठ),	20
इकाई 4	4.1 शान्तिविधान- मूल शान्ति, वास्तुशान्ति 4.2 ग्रहशान्ति- ग्रहों की पूजनविधि-मन्त्र-समिधा-दक्षिणा	20

	4.3 विविध पापकर्मों के प्रायश्चित्त में चान्द्रायण व्रत आदि का परिचय	
इकाई 5	5.1 सूतक निर्णय, जननाशौच तथा मरणाशौच 5.2 श्राद्ध निर्णय	20

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. निर्णयसिन्धु- कमलाकर भट्ट, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014

2. तिथि निर्णय के प्रमुख सिद्धांत एवं विशिष्ट तिथि पर्व निर्णय, डॉ. विकास शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर

3. ज्योतिर्विदाभरण- कालिदास, व्याख्या - प्रो. रामचंद्र पाण्डेय, मोतीलाल वाराणसी दास, वाराणसी,

4. मुहूर्तचिन्तामणि, श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी

अंक विभाजन -

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	2 × 5 = 10
2 लघूत्तरीयप्रश्न	6 × 5 = 30
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	12× 5 = 60

स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

धर्मशास्त्रीय ज्योतिष

तृतीय प्रश्नपत्र

धर्मशास्त्र, ज्योतिष एवं संस्कारादि से सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य

पूर्णाङ्क 100

स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

धर्मशास्त्रीय ज्योतिष

चतुर्थ प्रश्नपत्र

व्रतोत्सव, सूतक, श्राद्धादि से सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य

पूर्णाङ्क 100